प्रेस हेतु सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति सं. 48/2019)

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 10 जुलाई, 2019

तुरंत जारी करने हेतु   वेबसाइट: **www.trai.gov.in**

''31 मार्च, 2019 को समाप्त तिमाही के लिए ''भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट''

आज भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने 31 मार्च, 2019 को समाप्त तिमाही के लिए ''भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट'' जारी की है। यह रिपोर्ट दूरसंचार सेवाओं का एक व्यापक परिदृश्य उपलब्ध कराती है तथा 1 जनवरी, 2019 से 31 मार्च, 2019 की अवधि के लिए भारत में दूरसंचार सेवाओं के साथ–साथ केबल टेलीविजन, डीटीएच तथा रेडियो प्रसारण सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण मानदण्ड तथा विकास के रूझानों को प्रस्तुत करती है। इसे सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर संकलित किया गया है।

उक्त रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश यहॉ संलग्न है। संपूर्ण रिपोर्ट भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण की वेबसाईट www.trai.gov.in पर उपलब्ध है। इस रिपोर्ट से संबंधित किसी भी सुझाव या स्पष्टीकरण के लिए अधोहस्ताक्षरी (श्री एस. के. मिश्रा, प्रधान सलाहकार (एफएण्डईए), भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, नई दिल्ली) से दूरभाष–011–23221856 फैक्स–011–23235249 एवं ई–मेल: skmishra.trai@nic.in पर संपर्क किया जा सकता है।

जारी करने के लिए प्राधिकृत

(एस. के. मिश्रा)
प्रधान सलाहकार (एफएण्डईए)

भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादक संकेतक रिपोर्ट
जनवरी से मार्च, 2019

कार्यकारी सारांश

1. देश में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या दिसंबर, 2018 के अंत में 1,197.87 मिलियन से घटकर मार्च, 2019 के अंत में 1,183.51 मिलियन हो गई, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 1.20 प्रतिशत की ह्रास दर दर्ज की गई। पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में वर्ष–दर–वर्ष (वाई.ओ.वाई) आधार पर दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में 1.88 प्रतिशत ह्रास दर दर्ज की गई। देश में 31 दिसंबर, 2018 को समग्र दूरसंचार घनत्व 91.45 से घटकर 31 मार्च, 2019 को 90.11 हो गया।

देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या तथा दूरसंचार घनत्व का रूझान

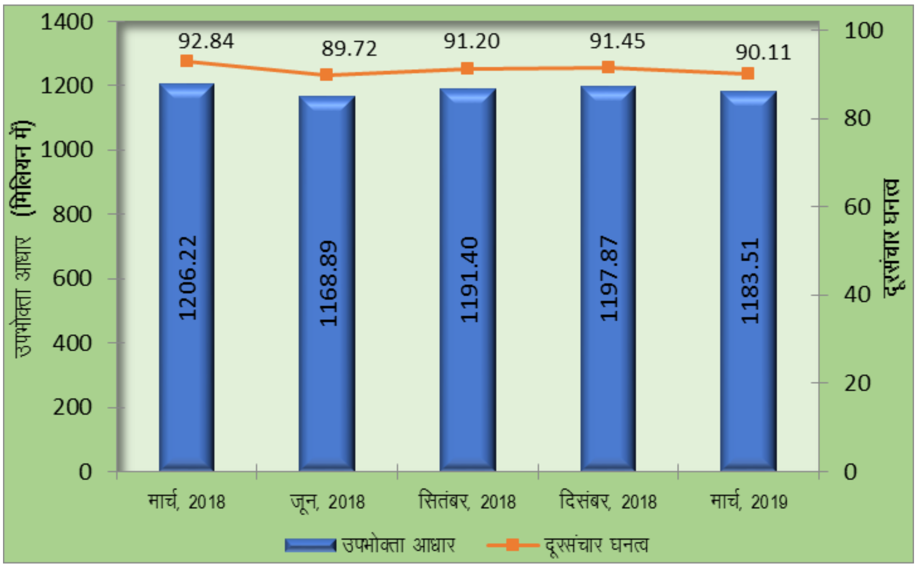

2. दिसंबर, 2018 के अंत तक शहरी क्षेत्रों में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या 666.28 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2019 के अंत में 669.16 मिलियन हो गया, जबकि इसी अवधि के दौरान शहरी दूरसंचार घनत्व 159.98 से मामूली घटकर 159.96 हो गया। इस तिमाही के दौरान ग्रामीण दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या 531.59 मिलियन से घटकर 514.35 मिलियन हो गया, तथा ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी 59.50 से घटकर 57.47 हो गया।

3. कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में से, ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी दिसंबर, 2018 के अंत तक 44.38 प्रतिशत से घटकर मार्च, 2019 के अंत तक 43.46 प्रतिशत हो गई।

<u>दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण</u>

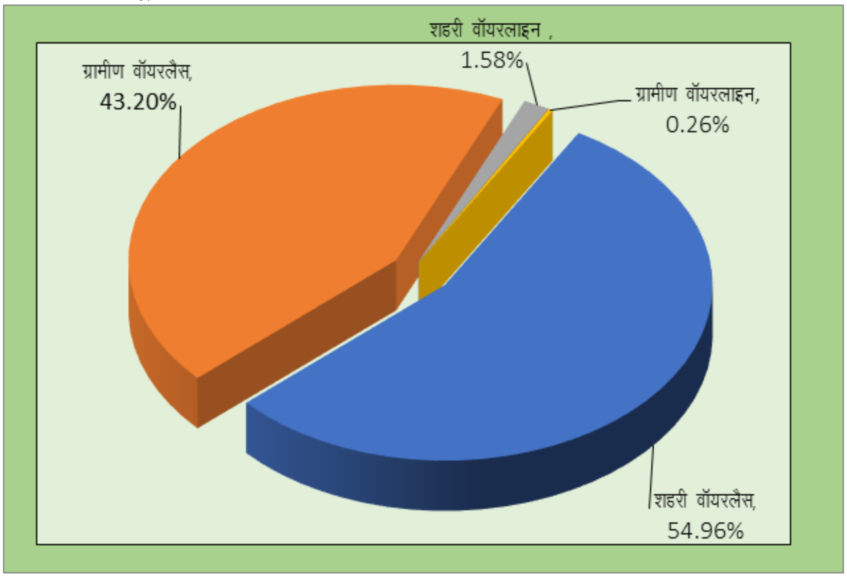

4. इस तिमाही के दौरान 14.19 मिलियन वॉयरलेस उपभोक्ताओं की संख्याओं में निबल कमी के साथ ही दिसंबर, 2018 के अंत तक कुल वॉयरलेस (जीएसएम एलटीई सहित+सीडीएमए) उपभोक्ताओं की संख्या 1,176.00 मिलियन से घटकर मार्च, 2019 के अंत तक 1,161.81 मिलियन हो गया, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 1.21 प्रतिशत की ह्रास दर दर्ज की गई। इसी दौरान वार्षिक आधार पर वॉयरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में 1.82 प्रतिशत की ह्रास दर दर्ज की गयी।

5. वायरलेस दूरसंचार घनत्व दिसंबर, 2018 के अंत में 89.78 से घटकर मार्च, 2019 के अंत में 88.46 हो गया।

6. वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या दिसंबर, 2018 के अंत में 21.87 मिलियन से और घटकर मार्च, 2019 के अंत में 21.70 मिलियन रह गया जिसमें 0.79 प्रतिशत की तिमाही ह्रास दर दर्ज की गई। मार्च, 2019 को समाप्त तिमाही अवधि के लिए वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में वर्ष–दर–वर्ष (वाई.ओ.वाई.) 4.89 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

7. वॉयरलाइन दूरसंचार घनत्व दिसंबर, 2018 के अंत में 1.67 से घटकर मार्च, 2019 के अंत में 1.65 रह गया।

8. इंटरनेट उपभोक्ताओं की कुल संख्या दिसबर, 2018 के अंत में 604.21 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2019 के अंत में 636.73 मिलियन हो गई जिसमें 5.38 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई। कुल 636.73 मिलियन इंटरनेट उपभाक्ताओं में से वायरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 21.68 मिलियन तथा वायरलेस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 615.05 मिलियन है।

इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

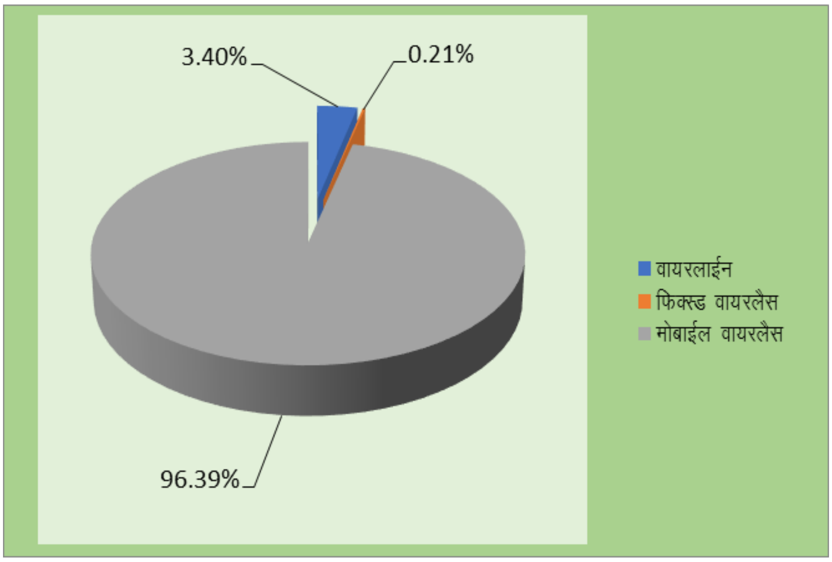

10. ब्रॉडबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या दिसंबर, 2018 के अंत में 525.36 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2019 के अंत में 563.31 मिलियन हो गई जिसमें 7.22 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई।

11. नैरोबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या दिसंबर, 2018 के अंत में 78.86 मिलियन से घटकर मार्च, 2019 के अंत में 73.42 मिलियन रही जिसमें 6.89 प्रतिशत की तिमाही ह्रास दर दर्ज की गई।

12. वारयलेस दूरसंचार सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) 1.80 प्रतिशत तिमाही वृद्धि दर के साथ दिसंबर, 2018 को समाप्त तिमाही के 70.13 रुपए से बढ़कर मार्च, 2019 को समाप्त तिमाही में 71.39 रुपए हो गया। हालांकि मासिक एआरपीयू इसी तिमाही में वर्ष–दर–वर्ष आधार पर 6.12 प्रतिशत की दर से कम हो गया।

13. वायरलेस सेवा के लिए प्रतिमाह प्रीपेड एआरपीयू दिसंबर, 2018 को समाप्त तिमाही में 60 रुपए से बढ़कर 63 रुपए हो गया जबकि प्रतिमाह पोस्ट–पेड एआरपीयू 296 रुपए से घटकर 261 रुपए हो गया।

14. अखिल भारतीय औसत आधार पर जीएसएम सेवा के लिए समग्र उपयोग की गई मिनट (एमओयू) प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह दिसंबर, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए 667 मिनट से बढ़कर मार्च, 2019 को समाप्त तिमाही के लिए 692 मिनट हो गया।

15. वारयलेस प्रीपेड सेवा के लिए दिसंबर, 2018 को समाप्त तिमाही में एमओयू प्रति उपभोक्ता 666 मिनट से बढ़कर मार्च, 2019 को समाप्त तिमाही में 694 मिनट हो गया। जबकि पोस्ट–पेड एमओयू प्रति उपभोक्ता दिसंबर, 2018 को समाप्त तिमाही में 711 मिनट से घटकर मार्च, 2019 को समाप्त तिमाही में 641 मिनट हो गया।

16. मार्च, 2019 को समाप्त तिमाही के लिए दूरसंरचार सेवा क्षेत्र हेतु सकल राजस्व (जीआर) तथा समयोजित सकल राजस्व (एजीआर) क्रमशः 58,414 करोड़ रुपए तथा 35,932 करोड़ रुपए रहा। मार्च, 2019 को समाप्त तिमाही में पिछली तिमाही के मुकाबले जीआर तथा एजीआर दोनों में क्रमशः 0.98 प्रतिशत तथा 0.34 प्रतिशत की ह्रास दर दर्ज की गई।

17. पिछले वर्ष की इसी तिमाही में जीआर तथा एजीआर में वर्ष–दर–वर्ष (वाई.ओ.वाई.) वृद्धि दर क्रमशः –6.08 प्रतिशत तथा 0.66 प्रतिशत दर्ज की गई।

18. मार्च, 2019 को समाप्त तिमाही के लिए पास–थ्रू–प्रभार पिछले तिमाही के 22,936 करोड़ रुपए से घटकर 22,482 करोड़ रुपए हो गया। पास–थ्रू–प्रभार में तिमाही तथा वार्षिक वृद्धि दर क्रमशः –1.98 प्रतिशत तथा –15.17 प्रतिशत रही।

19. दिसंबर, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए लाइसेंस शुल्क 2,890 करोड़ रुपए से घटकर मार्च, 2019 में 2,888 करोड़ रुपए हो गया। इस तिमाही के दौरान लाइसेंस शुल्क में तिमाही तथा वार्षिक वृद्धि दर क्रमशः –0.08 तथा –1.52 प्रतिशत रही।

20. एक्सेस सेवाओं ने दूरसंचार सेवाओं के कुल समायोजित सकल राजस्व में 72.62 प्रतिशत का योगदान दिया। मार्च, 2019 को समाप्त तिमाही में एक्सेस सेवाओं में सकल राजस्व (जीआर), समायोजित सकल राजस्व (एजीआर), लाइसेंस शुल्क एवं पास–थ्रू प्रभारों में क्रमशः 0.29 प्रतिशत, 0.10 प्रतिशत, 0.46 प्रतिशत, 0.60 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई जबकि इसी दौरान स्पेक्ट्रम उपयोग प्रभार (एसयूसी) में 0.70 प्रतिशत की ह्रास दर दर्ज की गई।

20. एजीआर आधारित एक्सेस सेवाओं के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) दिसंबर, 2018 को समाप्त तिमाही में 72.82 रुपए से घटकर मार्च, 2019 को समाप्त तिमाही में 72.49 रुपए हो गया।

समायोजित सकल राजस्व का वितरण

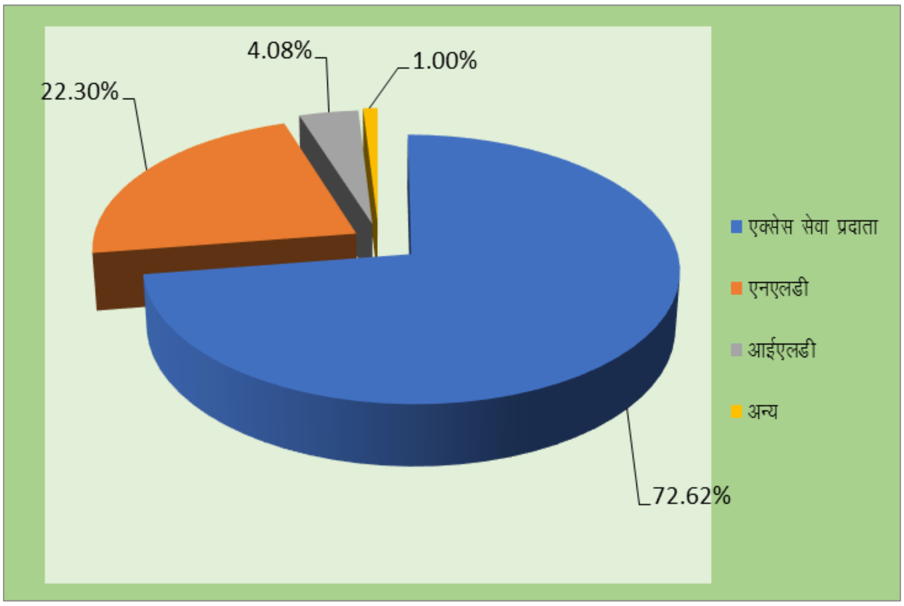

21. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा की गुणवत्ता के संदर्भ में वॉयरलैस सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया है:–

सेवा गुणवत्ता में सुधार दर्शाने वाले मानदण्ड	सेवा गुणवत्ता में गिरावट दर्शाने वाले मानदण्ड
• शिकायतों के समाधान की तिथि से उपभोक्ता के खाते में राशि जमा/छूट दिए जाने/ समायोजन किये जाने की अवधि	• कॉल सेंटर/कस्टमर केयर तक पहुंच • 90 सेकण्ड के भीतर प्रचालक (वॉयस टू वॉयस) द्वारा उत्तर दी गई कॉलों का प्रतिशत • 7 दिनों के भीतर सेवा को समाप्त/बंद किए जाने हेतु अनुरोधों का प्रतिशत • खाता बंद करने के पश्चात् निक्षेपों के प्रतिदाय में लिया गया समय

22. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा गुणवत्ता के संदर्भ में वॉयरलाइन सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया है:

सेवा गुणवत्ता में सुधार दर्शाने वाले मानदण्ड	सेवा गुणवत्ता में गिरावट दर्शाने वाले मानदण्ड
• अगले कार्य दिवस तक ठीक की गई खामियां (शहरी क्षेत्रों के लिए)	• खामियां होने की घटना – प्रति माह प्रति सैकड़ा उपभोक्ताओं में

• ग्राहक की सहायता के लिए प्रत्युत्तर समय – कॉल सेंटर/कस्टमर केयर तक पहुंच • ग्राहक की सहायता के लिए प्रत्युत्तर समय – 90 सेकण्ड के भीतर प्रचालक (वॉयस टू वॉयस) द्वारा उत्तर दी गई कॉलों का प्रतिशत	खामियों की संख्या • खामियां ठीक होने का औसत समय – एम टी टी आर

23 दिनांक 31.03.2019 की स्थिति के अनुसार सूचना और प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) द्वारा केवल अपलिकिंग/ केवल डॉऊनलिकिंग/अपलिंकिंग एवं डाउनलिंकिंग दोनों के लिये 902 निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों को अनुमति प्रदान की गई है।

24. नये टैरिफ आदेश दिनांक 3 मार्च, 2017 के तत्वाधान में प्रसारण सेवा प्रदाताओं के द्वारा प्राधिकरण में दिये गये रिपोर्ट के अनुसार, 31 मार्च, 2019 की स्थिति के अनुसार कुल 328 पे–टीवी चैनल थे। इन 328 पे–टीवी चैनलों में 229 एसडी पे–टीवी चैनल एवं 99 एचडी पे–टीवी चैनल शामिल है।

25. वर्ष 2003 में अस्तित्व में आने के समय से भारतीय डीटीएच सेवा में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। मार्च, 2019 के अंत तक देश में पे–डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या 5 थी। डीटीएच के कुल सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या 31 मार्च, 2019 को लगभग 72.44 मिलियन हो गया है। यह संख्या दूरदर्शन के निःशुल्क डीटीएच सेवा के उपभोक्तओं के अलावा है।

26. ऑल इंडिया रेडियो–सार्वजनिक प्रसारक द्वारा प्रचालित रेडियो स्टेशनों के अलावा, दिनांक 31 दिसंबर, 2018 को 33 एफएम प्रसारकों के द्वारा उपलब्ध कराये गये आंकड़ों के अनुसार 97 शहरों में कार्यरत 355 निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की तुलना में दिनांक 31 मार्च, 2019 को 33 एफएम प्रसारकों के द्वारा उपलब्ध कराये गये आंकड़ों के अनुसार 98 शहरों में कुल 356 निजी एफएम रेडियो स्टेशन कार्य कर रहे थे।

27. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर 31 मार्च, 2019 को देश में कुल 251 सामुहिक रेडियो स्टेशन कार्यरत हैं।

मुख्य झलकियाँ

31 मार्च, 2019 की स्थिति के अनुसार डॉटा	
दूरसंचार उपभोक्ता (वॉयरलेस + वॉयरलाइन)	
कुल उपभोक्ताओं की संख्या	1,183.51 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	-0.79 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	669.16 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	514.35 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	88.71 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	11.29 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	90.11
शहरी दूरसंचार घनत्व	159.96
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	57.47
वॉयरलेस उपभोक्ता	
कुल वॉयरलेस उपभोक्ताओं की संख्या	1,161.81 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	-1.21 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	650.49 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	511.32 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	89.74 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	10.26 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	88.46
शहरी दूरसंचार घनत्व	155.49
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	57.13
तिमाही के दौरान वायरलेस डाटा यूसेज	15,850,560 टेराबाईट
पब्लिक मोबाईल रेडियो ट्रंक सेवा (पीएमआरटीएस) की कुल संख्या	60,078
वीसैट की कुल संख्या	2,97,465
वॉयरलाइन उपभोक्ता	
कुल वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या	21.70 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	-0.79 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	18.67 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	3.02 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	33.58 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	66.42 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	1.65
शहरी दूरसंचार घनत्व	4.46
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	0.34
ग्रामीण पब्लिक टेलीफोन की संख्या (वीपीटी)	1,30,376
पब्लिक कॉल ऑफिसों की संख्या (पीसीओ)	2,55,268

दूरसंचार वित्तीय आंकडे	
तिमाही के दौरान सकल राजस्व (जीआर)	58,414 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में जीआर में प्रतिशत परिवर्तन	-0.98 प्रतिशत
तिमाही के दौरान समायोजित सकल राजस्व (एजीआर)	35,932 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में एजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	-0.34 प्रतिशत
एक्सेस एजीआर में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की हिस्सेदारी	9.57 प्रतिशत
एक्सेस सेवाओं हेतु प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू)	72.49 रुपए
इंटरनेट/ब्रॉडबैंड उपभोक्ता	
कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	636.73 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	5.38 प्रतिशत
नैरोबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	73.42 मिलियन
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	563.31 मिलियन
वॉयरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	21.68 मिलियन
वॉयरलेस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	615.05 मिलियन
शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	409.72 मिलियन
ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	227.01 मिलियन
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	48.48
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	97.94
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	25.36
प्रसारण और केबल सेवाएं	
सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ पंजीकृत निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों की संख्या	902
पे–टीवी चैनलों की संख्या	328
निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की संख्या	356
पे–डीटीएच उपभोक्ताओं की संख्या	72.44 मिलियन
चालू कम्यूनिटी रेडियो स्टेशनों की संख्या	251
पे–डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या	5
राजस्व और उपयोग मानदण्ड	
वायरलेस सेवा हेतु प्रति उपभोक्ता औसत मासिक आय (एआरपीयू) (जीएसएम, एलटीई एवं सीडीएमए)	71.39 रुपए
वायरलेस सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मिनट (एमओयू) (जीएसएम, एलटीई एवं सीडीएमए)	692 मिनट
इंटरनेट टेलीफोनी हेतु कुल बहिर्गामी (ऑऊटगोईंग) उपयोग मिनट	197 मिलियन
मोबाइल उपभोक्ताओं के द्वारा डॉटा उपयोग	
वायरलेस सेवा हेतु प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह डॉटा उपयोग (जीएसएम, एलटीई एवं सीडीएमए)	9.06 जीबी
वायरलेस सेवा (जीएसएम, एलटीई एवं सीडीएमए) के लिए प्रति जीबी डाटा का औसत मूल्य	7.95 रुपए